

५/६
१९

वकील अथ पदा-उपरा साधु पांचीलाल ने एक सार्थक
पत्र प्रस्तुत कर दावा कर वित्तपत्रव्यवस्था कर आदेश
दिये जाने का निर्देश किया है। वकील प्रतिवादी को दावा
अपत्ति नहीं है। अतः दावा कर वित्तपत्रव्यवस्था करने के
व्यतिरिक्त खारिज किया जाता है। वकील प्रतिवादी ने अपना
सर्व सम्पत्ति सं. 139/15 बंदोबस्त / पांचीलाल जोहर
पत्रवली का अंगीकार किया है। अतः सं. 139/15 बंदोबस्त
पांचीलाल को पुनः नया पत्र वित्तपत्रव्यवस्था या फिर दिये जा रहे
पत्रवली अथवा सं. 139/15 बंदोबस्त पत्रवली के अंगीकार
किए जाने पर दावा कर ही

उपस्थानाधिकारी
जैलपर (राज)

प्रतिवादी/उपस्थानाधिकारी
(राज)